-: परिशिष्ट :-

रामदरश मिश्र द्वारा लिखित उपन्यास

1) अपने लोग (1976) नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2) आकाश की छत (1979) वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
3) आदिम राग (1982) वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4) जल टूटता हुआ (1969) हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
5) दूसरा घर (1986) वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
6) पानी के प्राचीर (1961) हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
7) बीच का समय (1970) राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
8) रात का सफर (1976) राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
9) सूखा हुआ तालाब (1972) नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

- : कहानी संग्रह :-

1) अपने लिये (1991) वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2) इकतठ कहानियाँ (1984) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
3) एक वह (1974) नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4) खाली घर (1968) ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली ।
5) दिनचर्या (1979) नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6) बसंत का एक दिन (1982) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
7) सर्पदंश (1982) पराग प्रकाशन, दिल्ली ।

-: आत्म कथा :-

1) जहां मैं खड़ा हूं (1984) किताबघर, दिल्ली ।
2) रोशनी की पगडंडियां (1986) किताबघर, दिल्ली ।
3) टूटते बनते दिन (1990) किताबघर, दिल्ली ।
4) उत्तर पथ (1991) किताबघर, दिल्ली ।

-: आलोचना :-

1§ हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा §1968§ राजकमल प्र0, दिल्ली ।

2§ हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान §1977§ नेशनल प्रकाशन हाउस, दिल्ली ।

3§ हिन्दी उपन्यास : सौ वर्ष, गिरनार प्रकाशन, महेसाना ।

4§ हिन्दी : आज का हिन्दी साहित्य संवेदना और दृष्टि §1975§ अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।

-: अन्य सहायक ग्रंथ :-

1§ अमृतलाल नागर के उपन्यास - डा0 हेमराज कौशिक, दयानंद मार्ग, दरियागंज, दिल्ली ।

2§ आधुनिकता के संदर्भ में हिन्दी कहानी - डॉ0 नरेन्द्रमोहन §1982§ जयश्री प्रकाशन, दिल्ली ।

3§ आपका बंटी - अक्षर प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली ।

4§ कंकाल - जयशंकर प्रसाद

5§ कहानी दर्शन - भालचन्द्र गोस्वामी प्रखर

6§ द्विवेदी युग की हिन्दी गद्य - शैलियों का अध्ययन - शंकर दयाल-चौऋसि

7§ तितली - जयशंकर प्रसाद

8§ परिन्दे - निर्मल वर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।

9§ पचपन खंभे लाल दीवार - उषा प्रियम्वदा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

10§ प्रकट भाष - डॉ0 चन्द्रकला त्रिपाठी, दिल्ली ।

11§ रुकोगी नहीं राधिका - उषा प्रियम्वदा, अक्षर प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली।

12§ रचनाकार रामदरश मिश्र - नित्यानंद तिवारी, ज्ञानचंद गुप्त, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली ।

13§ नयी कहानी - सफलता और सार्थकता - नामवर सिंह लोक भारती प्र0 इलाहाबाद ।

14§ बीसवी शताब्दी - हिन्दी साहित्य के संदर्भ में - डॉ0 लक्ष्मी सागर, वार्ष्णेय

15§ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी वस्तु एवं शिल्प विधान, डा0 एम एन महेता §1984§ प्रगति प्रकाशन, आगरा ।

16§ समसमायिक हिन्दी कहानी - डॉ0 प्रेम कुमार, राजयश्री बुक सेंटर, भोपाल ।

17§ स्वतंत्र्योतर हिन्दी उप0 साहित्य में शिल्प विधान का विकास

18) हिन्दी कहानी दो दशक – डॉ0 सुरेश धींगड़ा (1978) अभिनव प्रकाशन दरियागंज, दिल्ली ।

19) हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास – डॉ0 हरवंश लाल शर्मा ।

20) हिन्दी उप0 समाजिक चेतना – डॉ0 कुंवर पाल सिंह पांडु लिपि प्रकाशन, कृष्ण नगर, दिल्ली ।

21) हिन्दी उप0 एक सर्वेक्षण – महेन्द्र चतुर्वेदी – नेशनल पब्लिशिंग, हा0, दिल्ली ।

22) हिन्दी उप0 अंतरंग पहचान – डॉ0 प्रेम कुमार (1982) गिरनार प्रकाशन महेसाना ।

23) हिन्दी उप0 महाकाव्य के स्तर – डॉ0 शांति स्वरूप गुप्त अशोक प्रकाशन दिल्ली ।

24) हिन्दी उप0 शिल्प और प्रयोग – डॉ0 त्रिभुवन सिंह

25) हिन्दी उप0 का शिल्पगत विकास – डॉ0 उषा सक्सेना

-: अन्य पत्रिकाएं :-

1) कादम्बिनी, सितम्बर (1989)

2) आजकल – नवम्बर (1960) – श्री चन्द्रगुप्त विद्यालंकार ।